B-3
L-13
Indian Society

11-12-2023

सोशल नेटवर्किंग साइट्स का भारतीय समाज पर प्रभाव

संभावित प्रश्न-

1.- सोशल नेटवर्किंग साइट्स क्या है? इसका भारतीय समाज पर पड़ने वाले प्रभावों की चर्चा कीजिए।

उत्तर-:

Part-1-: सोशल नेटवर्किंग साइट्स का अर्थ- इंटरनेट पर उपलब्ध ऐसे साइट्स जिनके माध्यम से व्यक्तियों द्वारा सामाजिक अंतः क्रियायें की जाती है- सोशल नेटवर्किंग साइट्स कहलाती है। जैसे - फेसबुक, ट्विटर, व्हाट्सएप, टेलीग्राम इंस्टाग्राम आदि।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

Part-2 सोशल नेटवर्किंग साइट्स का सकारात्मक प्रभाव-

1. पुनः सामाजिक जुड़ाव में वृद्धि
2. विभिन्न मुद्दों पर जन सहभागिता में वृद्धि
3. दबाव समूह के रूप में क्रियाशील
4. स्थानीय समस्याओं के सार्वभौमिकरण में सहायक
5. अलगाव एवं एकाकीपन को दूर करने का माध्यम

6. विचार, सूचना तथा ज्ञान का तीव्रता से फैलाव का माध्यम

7. सोशल नेटवर्किंग साइट्स का नकारात्मक प्रभाव

1. निजता का संकट
2. विभिन्न सूचनाओं, महत्वपूर्ण दस्तावेजों, फोटो आदि की सुरक्षा खतरे में
3. नवीन प्रकार के अपराध (साइबर क्राइम आदि) और पुराने अपराध में सहायक होकर - आंतरिक सुरक्षा में चुनौती
4. समाज विरोधी गतिविधियों एवं अफवाहों को फैलाकर सामाजिक सौहार्द्रता को चुनौती (असम हिंसा)
5. आतंकी गतिविधियों में सहायक होकर - आंतरिक सुरक्षा को चुनौती (ISIS)
6. अश्लीलता में वृद्धि (पोर्न साइट्स आदि के माध्यम)
7. पश्चिमी संस्कृति के प्रसार द्वारा भारतीय संस्कृति के समक्ष संकट

⇩

समीक्षा

निश्चित रूप से सोशल नेटवर्किंग साइट्स तकनीकी विकास एवं वैश्वीकरण की एक महत्वपूर्ण

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

उपलब्धि है. जो भारतीय समाज को सकारात्मक और नकारात्मक दोनो रूपों में प्रभावित कर रही है। चूंकि हम निरंतर आधुनिक समाज के निर्माण की ओर अग्रसर हैं, इसलिये इस तरह के साइट्स को रोकना उपयुक्त नहीं है- तथापि इसको नियंत्रित करके और भारतीय समाज एवं संस्कृति के साथ इसको समायोजित करके इसके नकारात्मक प्रभावों से बचा जा सकता है, और इसको भारतीय समाज के लिये अधिक से अधिक उपयोगी बनाया जा सकता है।

प्रश्न - "वैश्वीकरण की प्रक्रिया ने हमारी सामाजिक-सांस्कृतिक व्यवस्था के समक्ष चुनौती को प्रस्तुत किया है।" चर्चा कीजिए।

उत्तर

Part - 1 :- भूमिका -

Part - 2 :- भारतीय संस्कृति पर वैश्वीकरण का चुनौतीपूर्ण प्रभाव -

1. परम्परागत मूल्य व्यवस्था पर चुनौतीपूर्ण प्रभाव
2. संयुक्त परिवार व्यवस्था पर चुनौतीपूर्ण प्रभाव

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

3. विवाह संस्था पर चुनौतीपूर्ण प्रभाव
4. जाति व्यवस्था पर चुनौतीपूर्ण प्रभाव
5. भारतीय धर्म पर चुनौतीपूर्ण प्रभाव

Part3 -: समीक्षा-

निश्चित रूप से वैश्वीकरण की प्रक्रिया ने भारतीय सामाजिक - सांस्कृतिक व्यवस्था के समक्ष चुनौती को उत्पन्न किया है।

परन्तु यह भी सत्य है कि भारतीय परंपरा में निहित अनुकूलनशीलता, सहिष्णुता, लोचशीलता एवं सात्मीकरण की प्रवृत्ति ने इनकी निरंतरता को संपोषित भी किया है। फलतः ये कुछ नवीन परिवर्तनों के साथ आज भी बने हुये हैं।

जहाँ तक इनके नकारात्मक प्रभावों का प्रश्न है तो - यह परिवर्तन की संक्रमणकालीन अवस्था का परिणाम है, जो आधुनिकता के परिपक्व होने के साथ स्वतः समाप्त हो जायेगा।

प्रश्न- 3 परंपरागत रूप से सशक्त एवं सांस्कृतिक रूप से संपन्न भारत के लिये वैश्वीकरण के सामाजिक - सांस्कृतिक प्रभाव कई विरोधाभासों को उत्पन्न करते हैं। चर्चा कीजिए।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
© KHAN SIR

प्रश्न - "वैश्वीकरण ने एक आधुनिक परंतु अलगावित मानव का निर्माण किया है।" चर्चा कीजिए।

प्रश्न - "वैश्वीकरण ने जहां एक संश्लेषित वैश्विक संस्कृति के निर्माण को संपोषित किया है, वहीं इसने लोगों में प्रतिक्रियात्मक चेतना को उत्पन्न करके परंपराकरण को भी बढ़ाया है।" चर्चा कीजिए।

भारत में धर्म (Religion in India)

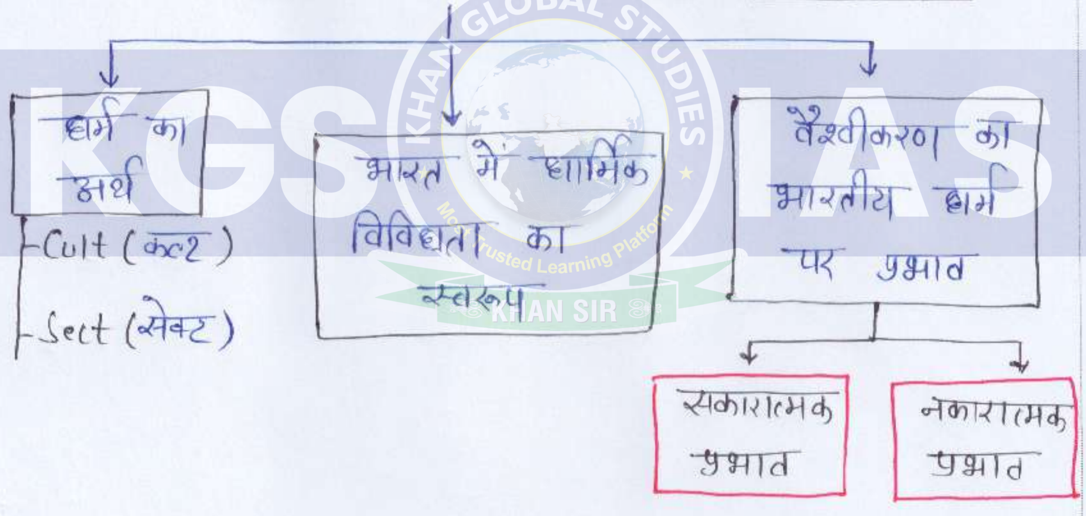

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR